[This question paper contains 4 printed pages.]

**Sr. No. of Question Paper : 275** **F** **Your Roll No.....**

Unique Paper Code : 205340

Name of the Paper : Hindi 'B'

Name of the Course : **B.A. (Programme)**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अनुच्छेदों के नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (8 + 8 = 16)

(क) आज अमीरों की हवेली
किसानों की होगी पाठशाला
धोबी, पासी, चमार, तेली
खोलेंगे अँधेरे का ताला,
एक पाठ पढ़ेंगे, टाट बिछाओ।

यहाँ जहाँ सेठजी बैठे थे
बनिए की आँख दिखाते हुए,
उनके ऐंठाए ऐंठे थे
धोखे पर धोखा खाते हुए,
बैंक किसानों का खुलवाओ।

(i) यह काव्यांश किस कविता से लिया गया है ? इसके कवि का नाम लिखिए ।

(ii) 'अमीरों की हवेली' को कवि क्या बनाना चाहते हैं ?

(iii) 'एक पाठ पढ़ेंगे, टाट बिछाओ' से कवि का क्या अभिप्राय है ?

(iv) कवि किसानों का बैंक क्यों खुलवाना चाहते हैं ?

(ख) न वह देवी रही, न कड़ाह रहा! अब भी काशी जाता हूँ तो उन गलियों की ओर, घाटों की ओर, बगीचों की ओर, बावड़ियों की ओर ललचाई नजरों से देखता हूँ। उन लोगों को भी आँखें ढूँढ़ती हैं जिनके साथ जिन्दगी के वे सुनहले दिन हँसते-हँसते गुजारे थे। अधिक लोग चल बसे, बचे-बचाए इधर-उधर बिखर गए। काशी है, किन्तु जैसे हमारी काशी उजड़ गई! यही होता है, यही होता आया है!

(i) प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ से लिया गया है ? इसके लेखक का नाम लिखिए ।

(ii) 'न वह देवी रही, न कड़ाह रहा' - इस कथन के द्वारा लेखक क्या कहना चाहता है ?

(iii) इस गद्यांश में लेखक जिन्दगी के कौन-से दिनों को याद करता है ?

(iv) 'यही होता है, यही होता आया है!' - इस कथन में छिपे लेखक के मंतव्य को स्पष्ट कीजिए ।

(ग) तिब्बत की अपनी चौथी यात्रा के बाद सीधे सक्रिय राजनीति में कूदने के कारण को स्वयं राहुल जी ने भी स्पष्ट किया है: "मैं पहिले भी राजनीति में अपने हृदय की पीड़ा दूर करने आया था। गरीबी और अपमान को मैं भारी अभिशाप समझता था। असहयोग के समय (1921 ई.) भी मैं जिस स्वराज्य की कल्पना करता था, वह काले सेठों और बाबुओं का राज नहीं था। वह राज था किसानों और मजदूरों का, क्योंकि तभी गरीबी और अपमान से जनता मुक्त हो सकती थी। अब तो देश-विदेश देखने के बाद और भी पीड़ा को अनुभव करता था।"

(i) प्रस्तुत अनुच्छेद किस पाठ से लिया गया है ? इसके लेखक का नाम लिखिए ।

(ii) राहुल जी सक्रिय राजनीति में कब आए और क्यों ?

(iii) राहुल जी कैसे स्वराज की कल्पना करते थे ?

(iv) राहुल जी के अनुसार जीवन का भारी अभिशाप क्या है ?

2. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (3×3=9)

(क) 'संयुक्त परिवार' कविता में कवि ने किन जीवन-मूल्यों के विषय में बताया है ?

(ख) 'देवनागरी लिपि' के विषय में गाँधी जी की नीतिगत अवधारणा क्या थी ?

(ग) दिल्ली के नवबढ़ नोदौलतिया वर्ग की 'कॉफी हाउस' में हो रही गहमागहमी को लेखक किस दृष्टि से देखता है ?

(घ) 'किताब और नया हिसाब किताब' लेख के आधार पर पुस्तकों के प्रति पुरानी व नई पीढ़ियों के बदलते दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए।

(ङ) 'दाज्यू' कहानी का प्रतिपाद्य लिखिए।

3. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (6×3=18)

(क) 'हिन्दी' शब्द की व्युत्पत्ति पर प्रकाश डालते हुए हिन्दी भाषा के उद्‌भव पर विचार कीजिए।

(ख) खड़ी बोली, अवधी, बुंदेली में से किसी **एक** बोली का सामान्य परिचय दीजिए।

(ग) पूर्वी हिन्दी पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(घ) भाषा और बोली में अंतर स्पष्ट कीजिए।

4. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (6×3=18)

(क) भाषा और लिपि का सम्बंध स्पष्ट कीजिए।

(ख) देवनागरी लिपि के नामकरण पर विचार कीजिए।

(ग) देवनागरी लिपि की विशेषताएँ बताइए।

(घ) लिपि का उद्‌भव और विकास स्पष्ट कीजिए।

5. अभिधा शब्द-शक्ति में वाचक शब्द से क्या तात्पर्य है ? वाचक शब्द कितने प्रकार के होते हैं ? (6)

अथवा

व्यंजना शब्द-शक्ति का उदाहरण-सहित परिचय दीजिए।

6. (क) "अब सिर्फ एलबम में रहते हैं परिवार के सारे लोग एक साथ" - इस कथन में लाक्षणिक प्रयोग का विश्लेषण कीजिए। (4)

(ख) "नए चलन ने बहुत सहूलियत बख्शी है चोरों को" - इस पंक्ति में व्यंग्यार्थ स्पष्ट कीजिए। (4)